अमरत्व
शिक्षक सहायक पुस्तिका–1

पाठ 1. मेरा परिवार

- **पाठ उद्देश्य**–परिवार के विषय में बताना।
- **पाठ सार**–मेरा प्यारा सा परिवार है, इसमें बहुत से रिश्ते हैं। मेरे प्यारे से भैया हैं। दीदी बहुत सुंदर है। दादा-दादी सबसे अच्छे हैं। उन्हें बच्चे अच्छे लगते हैं। नानाजी मिठाई लाते हैं और नानी नान खटाई लाती है। चाचा-चाची मुझसे दुलार करते हैं। मेरे घर का हर कोना सुंदर है। हम मिलकर साफ़-सफ़ाई करते हैं। घर को साफ़ रखने से पूरा देश साफ़ रहेगा, माँ तुलसी के पौधे में जल देती है। बाबा जी की फुलवारी में फल और फूल लगे हुए हैं।

पाठ 2. भारत एक बगीचा है

- **पाठ उद्देश्य**–भारत की विशेषताओं से परिचित कराना।
- **पाठ सार**–भारत रूपी बाग में बहुत क्यारियाँ हैं। हर क्यारी में रंग-रंग के फूल लगे हैं जिन्हें हमने सींचा है। हर जगह हरियाली है। सबके स्वागत में यह बिछे गलीचे के समान है। हम इसके माली हैं और इसकी रखवाली करते हैं। जिसने इसे उजाड़ना चाहा उसने अपमान सहा है।

पाठ 3. सुनयना का जन्म-दिन

- **पाठ उद्देश्य**–सुनयना के जन्म-दिन के विषय में अवगत कराना।
- **पाठ सार**–सुनयना ने आठवाँ जन्म-दिन मनाया। वह स्कूल से लौटी तो माँ ने स्कूल में जन्म-दिन मनाने के बारे में पूछा। सुनयना

ने बताया कि मैडम ने उसे टॉफिया दी, मिठाई खिलाई। बच्चों ने बधाई दी। उसने अध्यापिका और बच्चों को उपहार और मिठाइयाँ दी।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) आठ साल की (ख) उपहार और मिठाइयाँ
   (ग) टॉफियाँ (घ) सुनयना का जन्म-दिन
   (ङ) बधाइयाँ
2. (क) सुनयना स्कूल
   (ख) मुझे धूमधाम
   (ग) बहुत
3. जूह, रण, रट, रस, रथ, रख, रच, रमा।
4. मंगल, चंचल, कंगन, गाँव, पाँव, छाँव।
5. सितार, विशाल, डलिया, जन्मदिन, जगजीत, गीत, मीना, वीणा, सरस्वती, तस्वीर।
6. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✗
   (घ) ✗
7. रचना, पायल, राजवीर।
8. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
9. टॉफ़ी, केक, समोसा, रसगुल्ला, बरफ़ी।
10. विद्यार्थी स्वयं करेंगें।

पाठ 4. अगर कहीं मैं पैसा होता

◆ **पाठ उद्देश्य**–धन की इच्छा बताना।

- **पाठ सार**–यदि मैं पैसा होता तो पढ़े-लिखों से नाता रखता, मूर्खों से नहीं। दुनिया के संकट मिटा देता। जो परिश्रम करते उनके पास पैसों की कमी नहीं होती। उनके पास पैसा आता रहता। मैं दुष्टों से दूर रहता और अच्छों का प्यारा बनता। संसार के पाप धो देता। मैं बेकार में विदेश नहीं जाता। अपने देश में ही रहता। भारत इस तरह रोता नहीं।

पाठ 5. हमारे 'बापू जी'

- **पाठ उद्देश्य**–महात्मा गाँधी के जीवन से परिचित कराना।
- **पाठ सार**–महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्तूबर 1869 को पोरबंदर में हुआ था। उनके पिता का नामा करमचंद गाँधी और माता का नाम पुतली बाई था। उनकी पत्नी का नाम कस्तूरबा था। वे पढ़ने के लिए इंग्लैंड गए। उन्होंने भारत को स्वतंत्र कराने के लिए अहिंसा और सत्याग्रह को अपनाया। उनकी हत्या 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने की।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) मोहनदास करमचंद गाँधी
   (ख) महात्मा गाँधी की माता
   (ग) महात्मा गाँधी
   (घ) बैरिस्ट्री करने
   (ङ) 30 जनवरी 1948
2. स - सत्याग्रह, मु - मुक्त, दे - देश,
   मो - मोहनदास करमचंद गाँधी, भा - भारत।
3. (क) नहीं (ख) नहीं

(ग) हाँ (घ) हाँ

(ङ) हाँ

4. (क) यह कमल का फूल है।

(ख) गाँधी जी ने चरखा चलाया।

(ग) तितली उड़ गई।

5. (क) महात्मा (ख) मुक्त

(ग) महान

6. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

7. (क) अहिंसा (ख) भारत

(ग) चरखा (घ) विवाह

(ङ) वकालत

8. विफलता, निकटता, दानवता, सहजता, सरलता, विवश्ता, कठोरता।

पाठ 6. हम और हमारे पौधे

- **पाठ उद्देश्य**–पेड़-पौधों का महत्व बताना।
- **पाठ सार**–दादाजी ने नीम, आम, जामुन और कटहल के पौधे लाए। चिंटू ने कहा इन पर देर से फल आएँगे। दादाजी ने कहा कि हम जिन पेड़ों के फल खाते हैं, उन्हें भी किसी न किसी ने लगाया होगा।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) इमली, अमरूद, आड़ू, बरगद, नीम।

(ख) पेड़ हमें ताज़ी हवा और फल देते हैं।

(ग) नीम, जामुन।

2. (क) सीधा (ख) ज़रूरी
(ग) हैं।
3. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
5. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 7. जानवरों की सैर

- **पाठ उद्देश्य**–जानवरों के माध्यम से विद्यार्थियों का मनोरंजन कराना।
- **पाठ सार**–मिंकू बंदर के शहर देखने के सुझाव पर सियार ने शेर से इजाज़त ले ली। हाथी, हथिनी, हिरनी, खरगोश, सियार, भालू ने शहर देखा।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) शहर धूमने का (ख) सियार
(ग) केले (घ) बंदर और सियार
(ङ) फिसलन पट्टी पर।
2. (क) काला कोट (ख) साड़ी
(ग) तीन-तीन (घ) भूख
(ङ) ककड़ी, खरबूज़ा
3. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
5. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
6. कुत्ता, क्योंकि वह मेरे साथ खेलता है।

7. घोड़ा, हिरण, कोयल, तोता

पाठ 8. काला बादल

- **पाठ उद्देश्य**–बादल, वर्षा, सूर्य और चाँद की सुंदरता के विषय में समझाना।
- **पाठ सार**–काले बादलों से दिन में अँधेरा छा गया। वर्षा होने लगी। मेंढक टर्राने लगा। सूरज निकल आया। दिन चढ़ गया। चाँद प्रतिदिन अपना रूप बदल लेता है। वह रातभर चलता रहता है।

पाठ 9. कौवे की चतुराई

- **पाठ उद्देश्य**–कौवे के प्यास बुझाने के उपाय से परिचित कराना।
- **पाठ सार**–एक प्यासे कौवे को कहीं पानी नहीं मिला। उसे अचानक एक घड़े में पानी दिखा। उसकी चोंच पानी तक नहीं जाती थी। उसने घड़े में कंकड़ डाले। पानी ऊपर आ गया। कौवे ने समझदारी से पानी पीकर अपनी प्यास बुझाई।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) वह प्यासा था।
   (ख) वह पानी खोज रहा था क्योंकि उसे प्यास लगी थी।
   (ग) एक घड़े में पानी।
2. (क) ताकि पानी ऊपर आ जाए। पानी ऊपर आ गया। उसने प्यास बुझा ली।
   (ख) पानी नीचे था। उसकी चोंच पानी तक नहीं जा सकी थी।
   (ग) कोशिश करती रहनी चाहिए। कोशिश करने से सफलता मिलती है।

3. (क) वह प्यासा था ✓ (ख) पानी ✓
   (ग) घड़े में ✓ (घ) कंकड़ ✓
4. (क) पढ़कर (ख) देखकर
   (ग) लिखकर (घ) हारकर
   (ङ) सुनकर (च) दौड़कर
5. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
6. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
7. पुल्लिंग – घोड़ा, मुर्गा, राजा, भाई, हाथी, बैल, शेर।
   स्त्रीलिंग – नानी, शेरनी, लड़की, माता, गाय।
8. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 10. सच्चा मित्र

- **पाठ उद्देश्य**–रीछ के माध्यम से सच्ची मित्रता से अवगत कराना।
- **पाठ सार**–राम और मोहन जंगल से जा रहे थे। उनकी ओर रीछ आ रहा था। मोहन पेड़ पर चढ़ गया। राम को पेड़ पर चढ़ना नहीं आता था। वह साँस रोककर लेट गया। रीछ ने उसे सूँघा और उसे मरा समझकर नहीं खाया। मोहन ने रीछ के जाने पर मोहन राम के पास आया। उसने पूछा रीछ क्या कह रहा था। राम ने बताया कि रीछ कह रहा था। सच्चा मित्र वही होता है जो संकट में काम आता है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   (ख) सच्चा मित्र संकट में काम आता है।
   (ग) (i) जीवित ✓

(घ) जो संकट में काम आता है।

(ङ) संकट में मित्र का साथ देना चाहिए।

2. (क) रीछ (ख) राम

(ग) आँखें, साँस (घ) जंगल

3. (क) मोहन पेड़ पर चढ़ गया।

(ख) रीछ उनकी ओर आ रहा था।

(ग) मोहन सरपट भागा।

(घ) रीछ जीवित का शिकार करता है।

(ङ) रीछ को साँस की आहट नहीं मिली।

4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 11. खट्टे अंगूर

- **पाठ उद्देश्य**–असफल होने पर लोग दूसरों को दोष देते हैं। इस कविता के द्वारा विद्यार्थियों को यह समझाना।
- **पाठ सार**–एक लोमड़ी अंगूरों का गुच्छा दिखा। वह बहुत ऊँचा लगा हुआ था। वह उछलकर खाने लपकी। वह उन पर न पहुँच सकी। उसने खिसियाकर कहा – 'अंगूर खट्टे हैं!'

पाठ 12. दीपावली

- **पाठ उद्देश्य**–दीपावली पर्व के विषय में बताना।
- **पाठ सार**–दीपावली कार्तिक मास की अमावस्या को मनाते हैं। लोग घरों की सफ़ाई करते हैं। मकानों-दुकानों, इमारतों को दीयों और बल्बों से सजाते हैं। गणेश और लक्ष्मी जी की पूजा करते हैं।

सब पटाखे चलाते हैं।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) दीपावली

   (ख) कार्तिक मास की अमावस्या को

   (ग) श्री राम के वनवास से चौदह वर्ष बाद अयोध्या लौटने पर दीपमाला की थी। तबसे इसे मनाते हैं।

   (घ) घरों-दुकानों की सफाई करके, श्री गणेश लक्ष्मीजी की पूजा करके, पटाखे चलाकर, दीपमाला करके।

2. (क) नहीं (ख) हाँ

   (ग) नहीं (घ) हाँ

   (ङ) नहीं।

3. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
5. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
6. लिखना, पढ़ना, सुनना, गिनना, देखना, समझना।
7. (क) दीपक (ख) गणेश

   (ग) लक्ष्मी (घ) रंगोली।

8. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 13. प्यारी-सी मेरी बगिया

- **पाठ उद्देश्य**–बगिया के विषय में बताना।
- **पाठ सार**–यह मेरी प्यारी-सी बगिया है जिसमें बहुत फूल खिलते हैं। इनमें चंपा और जूही के फूल लगते हैं। गेंदा और चमेली के

फूलों से पूजा कि सबसे सुंदर फूल कौन-सा है? मैंने कहा - लाल गुलाब।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) गेंदा (ख) चमेली
   (ग) गुलाब (घ) चंपा
   (ङ) जूही।
2. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
3. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
5. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 14. हमारी पूजनीय गाय

- **पाठ उद्देश्य**–गाय के महत्व और उपयोगिता के विषय में बताना।
- **पाठ सार**–गाय को माता माना जाता है। गाय की उत्पत्ति समुद्र मंथन से हुई। यह घास और चारा खाती है। साहिवाल प्रजाति की गाय पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश में मिलती है। गाय के दूध, धी, दही, गोमूत्र, गोबर का प्रयोग शुभ कार्यों में किया जाता है। इसका दूध पौष्टिक होता है। गाँववालों के लिए गाय का बहुत महत्व होता है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) प्राचीन पौराणिक परंपराओं के कारण गाय को माता माना जाता है।
   (ख) दूध, धी, दही, गौमूत्र गोबर।
   (ग) गाय के दो सींग, चार टाँगें, चार थन, दो नथुने, दो आँखे

और दो कान होते हैं।

(घ) साहिवाल

(ङ) यह पौष्टिक और जल्दी पच जाता है।

2. (क) ✘ (ख) ✓

(ग) ✓ (घ) ✓

3. दही, पनीर, घी।

4. बादल, मानवता, कमल, दूरी, सुनना, अचार।

5. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

6. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 15. हम और हमारे त्योहार

- **पाठ उद्देश्य**–भारत के विभिन्न त्योहारों से परिचित कराना।
- **पाठ सार**–दीपावली पर बच्चे अनार, फुलझड़ी, चकरी चलाते हैं। मम्मी खील, बताशें और मिठाई लाती हैं। होली पर ढोल बजाओ, खेलो-कूदों, शत्रु को गले लगाओ। क्रिसमस का त्योहार खुशियाँ लेकर आया है। ड्रम बजाओं, केक खिलाओ। दशहरा में रावण मेघनाद के पुतले देखें। इनमें पटाखे भरे हैं। ये चलेंगे तो रावण मर जाएगा। बैसाखी के त्योहार पर फसल कटेंगी, खुशियाँ छाएँगी। ईद के मौके पर रोज़ेदारों, खेत-खलिहानों, नदियों-समुद्रों को ईद मुबारक, शहर में अमन को ईद मुबारक।

पाठ 16. पंछी और बहेलिया

- **पाठ उद्देश्य**–एकता और मित्रता का महत्व समझाना।
- **पाठ सार**–पक्षियों को उड़ता देखकर एक शिकारी ने उन्हें पकड़ने

के लिए जाल बिछाया दाने डाले। पक्षी लालच में आकर जाल में फँस गए। एक समझदार पंछी के कहने पर सबने जाल उड़ाया। वह उन्हें मित्र चूहे के पास ले गया। चूहे ने जाल बिछाकर सबके प्राण बचाए। सच्चा मित्र दु:ख में काम आता है। मित्रों का उपकार भूलना नहीं चाहिए।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) बहेलिए ने जाल बिछाकर बाजरे के दाने फैला दिए।
   (ख) उसने मित्र चूहे के पास चलने का उपाय सुझाया।
   (ग) मूषक ने जाल काट दिया।
   (घ) मित्रों का उपकार नहीं भूलना चाहिए।
2. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 17. गिनती

- **पाठ उद्देश्य**–गिनती समझाना।
- **अभ्यास**–विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 18. पद्मासन

- **पाठ उद्देश्य**–योग आसन समझाना।
- **अभ्यास**–विद्यार्थी स्वयं करेंगे।